पंजाब केसरी पेज 1
28.2.14

दिल्ली से देश चलाना बंद करना होगा : मोदी

सत्ता में आए तो व्यापारियों के लिए गैर जरूरी कानून खत्म करेंगे

दिनेश शर्मा, वार्ता/नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी ने छोटे कारोबारियों से वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए ई-कामर्स अपनाने की अपील करते हुये आज कहा कि दिल्ली से देश को चलाने की परंपरा खत्म होनी चाहिए।

श्री मोदी ने अखिल भारतीय व्यापारी महासंघ (कैट) के देशभर से आये 1500 से अधिक प्रतिनिधियों के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुये प्रशासन में पूर्ण बदलाव की वकालत की और कहा कि दिल्ली से पूरे देश को संचालित करने का प्रचलन बंद होना चाहिए और प्रशासन के मामले में राज्यों पर भी भरोसा किया जाना चाहिए।

उन्होंने कारोबारियों से वैश्विक चुनौतियों से नहीं घबराने की अपील की और कहा कि उन्हें ई-कामर्स को एक खतरे के स्थान पर अवसर के रूप में देखना चाहिए। ट्रेड और कारोबार पर पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि इससे दुनिया भर में हमारी छवि बनती है। उन्होंने कहा कि सरकार को आन लाइन कारोबार को बंद करने की

◆व्यापारी वैश्विक चुनौतियों से भागने की बजाय उनका सामना करें
◆आनलाइन व्यापार से बर्बाद नहीं होंगे ◆ देश सिर्फ कानूनों से नहीं चलता

दिशा में काम नहीं करना चाहिए। इसके लिए हमें चिंता करने की जरूरत नहीं है। भारतीयों ने आईटी को पूरी दुनिया में फैलाया है और हमें भी इसे अपनाना चाहिए।

श्री मोदी ने कारोबारियों की चिंताओं का उल्लेख करते हुये कहा कि देश में बहुत अधिक कानून हैं और अब समय आ गया है कि हमें कई कानूनों को एक साथ मिला देना चाहिए और उसके स्थान पर नया कानून बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कानून का अंबार है। श्री मोदी ने कारोबारियों से भाजपा को सत्ता में लाने की अपील करते हुये कहा कि उनकी सरकार बनने पर हर सप्ताह एक कानून को समाप्त किया जायेगा। उनकी पहचान सुधारवादी की है। उन्होंने कहा कि सब कुछ कानून के बल पर नहीं चलाया जा सकता है। कुछ के लिए हमें विश्वास भी करना पड़ता है। जब तंत्र काम करना बंद कर देता है तब कानून का काम शुरू होता है। इसी सिद्धांत पर वह प्रशासन में आमूलचूल बदलाव लाने की बात करते हैं। अब समय बदल गया है। विदेश मंत्रालय का प्रमुख काम अब व्यापार एवं उद्योग रह गया है। उन्होंने छोटे कारोबारियों से उत्पादकता एवं विक्रय बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी ▶ शेष पृष्ठ 11 पर

दैनिक भास्कर पेज 6
28.2.14

घोषणापत्र में व्यापारी हितों का रखेंगे ध्यान : मोदी

नेशनल ब्यूरो | नई दिल्ली

भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार और गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता में आने पर लघु उद्योगों की तर्ज पर छोटे-छोटे व्यापारियों के हितों के लिए नीति बनाए जाने का भरोसा दिया है। गुरुवार को दिल्ली के सीरी फोर्ट ऑडिटोरियम में फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने मोदी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा के घोषणा पत्र में व्यापारियों की मांगों को शामिल कर राहत देने की मांग की। फेडरेशन का कहना था कि देश की अर्थव्यवस्था में व्यापारियों का बहुत बड़ा योगदान है और भाजपा को अपने घोषणा पत्र में इनके हितों का ध्यान रखना चाहिए। मोदी ने इन मांगों को जायज बताया। उन्होंने इन मांगों को घोषणा पत्र में शामिल किए जाने के अलावा सत्ता में आने पर उद्योगों की तर्ज पर व्यापारियों को भी सुविधाएं मुहैया कराए जाने का भरोसा दिया। फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंड्स्ट्रीज की मांगों में खुदरा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में संशोधन पर जोर दिया गया। मोदी से मिले प्रतिनिधिमंडल में फेडरेशन के संयोजक सुशील केडिया, राधेश्याम माहेश्वरी, बसंत गुप्ता, सुनील जैनाविन, अशोक गर्ग,अरुण सौगानी व अन्य कई सदस्य शामिल थे।

पंजाब केसरी पेज 11
28.2.14

पृष्ठ एक के शेष

दिल्ली से देश

अपनाने और इसके बल पर विदेशी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने की अपील करते हुये कहा कि वैश्विक चुनौतियों से घबराना नहीं चाहिए बल्कि उनका सामना करना चाहिए। श्री मोदी ने कहा-सरकार अभी सभी को चोर समझ रही है। आयकर विभाग भी सभी को कर चोर मानता है। ऐसा माहौल नहीं बनाया जाना चाहिए। लोगों पर विश्वास किया जाना चाहिए। उनका मानना है कि इसमें बदलाव के माध्यम से विश्वास बहाली की शुरूआत की जा सकती है। श्री मोदी ने कहा कि यह देश समृद्धि और गौरव के साथ बना था और इसे बनाये रखा जाना चाहिए। ऐसे कानूनों को समाप्त कर दिया जाना चाहिए जो हमें आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने से रोकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में छोटे शहर के ग्राहक भी ब्रांडेड वस्तुओं की मांग करते हैं लेकिन छोटे कारोबारियों के पास माल में स्टोर शुरू करने और अंग्रेजी बोलने वाले सेल्समैन रखने का संसाधन नहीं है। वे आनलाइन कारोबार भी नहीं कर सकते हैं। इसके मद्देनजर उन्हें छोटी दुकानों को वर्चुअल माल में तब्दील करना चाहिए। उन्होंने व्यापारियों की इस चिंता को सही बताया कि देश में 'बहुत अधिक और पेचीदा' कानून हैं। कानूनों का एक जाल है। आप हमें शक्ति दीजिए कि सत्ता में आने पर हम हर हाथ

नई दिल्ली में व्यापारियों के राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी। *(छाया : प्रैट्र)*

दैनिक भास्कर पेज 1, 4
28.2.14

कारोबार बढ़ाने के लिए विज्ञान व तकनीक को अपनाएं व्यापारी : मोदी

उन कानूनों को हटाएंगे जिनसे व्यापारियों को छवि बनती है कि 'सब चोर' हैं

- मोदी की अपील- आप हमें ताकत दें ताकि हर हफ्ते एक कानून खत्म कर सकें

भास्कर न्यूज नेटवर्क | नई दिल्ली

भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने कहा कि व्यापारी समुदाय वैश्विक चुनौतियों से भागने के बजाय उसका सामना करे। उन्होंने सुझाव दिया कि व्यापारियों को अपना व्यापार बढ़ाने के लिए विज्ञान व तकनीक को अपनाना चाहिए। उन्होंने यह वायदा भी किया कि यदि वे केंद्र की सत्ता में आए तो ऐसे अनावश्यक कानूनों को हटाएंगे जिनसे यह आभास होता है कि 'सब चोर' हैं। मोदी ने दिल्ली में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह कहा। उन्होंने ई-कारोबार के बढ़ावे पर खास जोर दिया।

मोदी ने कहा कि व्यापारियों को यह नहीं मानना चाहिए कि वे व्यापार के ऑनलाइन होने से बर्बाद हो जाएंगे। बल्कि आपको मांग यह करनी चाहिए कि सरकार आपके लिए वर्कशॉप आयोजित करे ताकि नई चुनौतियों का सामना करने के लिए आपकी क्षमता बढ़े। आज गांव में रहने वाला भी ब्रांडेड आइटम की तलाश में रहता है। छोटे-छोटे व्यापारी अपनी वर्चुअल यूनिट से लेकर वर्चुअल मॉल खोलकर अपना कारोबार बढ़ा सकते हैं। ऑनलाइन मार्केटिंग व डिलीवरी सिस्टम में सुधार पर सोचने की जरूरत है। आज हमारे बच्चे पूरी दुनिया में विज्ञान व तकनीकी को फैला रहे हैं। व्यापार बढ़ाने के लिए विज्ञान व तकनीकी को अपनाना ही होगा।

शेष पेज | 4

कारोबार बढ़ाने...

कानूनों के मकड़जाल की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि देश में कानून बड़ी संख्या में हैं और आभास ऐसा है कि सरकार समझती है कि सभी व्यापारी चोर हैं। उन्होंने कहा कि देश इस तरह नहीं चल सकता है। चाहे सरकार हो या समाज, दोनों का एक-दूसरे पर भरोसा होना चाहिए और कानून को तभी बीच में आना चाहिए जब यह भरोसा टूटे। उन्होंने कहा कि देश में कानूनों का जाल फैला है, आप हमें ताकत दें ताकि जब हम सत्ता में आएं तो हर हफ्ते एक कानून खत्म कर सकें। व्यापारियों को सरल व पारदर्शी कानून का माहौल देने की जरूरत है। गुजरात के मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के व्यापारी भी उतने ही बहादुर हैं जितने कि देश के जवान। जहां तक जोखिम लेने का मामला है व्यापारी सेना के जवान जैसा जोखिम लेता है। उन्होंने कहा, 'मुझे अपने देश के कारोबारियों पर पूरा भरोसा है क्योंकि उनमें सफल होने का आत्मबल है।' उन्होंने कहा कि व्यापारियों के सुझाव को वे भाजपा में घोषणा पत्र में भी शामिल करेंगे। मोदी ने कहा कि विदेश मंत्रालय आज भी पुराने ढर्रे पर चल रहा है और कूटनीति व खुफिया जानकारी जुटाने पर ही केंद्रित है। जबकि विदेश मंत्रालय को अब व्यापार व वाणिज्य की कूटनीति विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए। दिल्ली से देश चलाने का फैशन भी खत्म होना चाहिए। हर राज्य व उसकी क्षमताओं पर भी भरोसा करने की जरूरत है। भ्रष्टाचार की चर्चा करते हुए मोदी ने कहा कि इस देश में प्रधानमंत्री से लेकर चपरासी तक की सोच में आमूलचूल बदलाव की जरूरत है। जब यह भावना विकसित होगी कि चाहे सरकार हो या व्यापारी, किसान हो या समाज, हम सब मिलकर देश के लिए काम करेंगे तो रिश्वत लेने-देने वाला कोई होगा ही नहीं। इस मौके पर कन्फेडरेशन के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने मोदी को व्यापारियों की ओर से नेशनल चार्टर पेश किया और महिला विंग की अध्यक्ष सीमा सेठी ने स्वागत व आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय सहारा पेज।
28.2.14

वैश्विक चुनौतियों का सामना करें व्यापारी : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी ने आज व्यापारी समुदाय से कहा कि वे वैश्विक चुनौतियों से भागने की बजाय उनका सामना करें। साथ ही ऐसे अनावश्यक कानूनों को हटाने का वायदा किया जो आभास देते हैं कि 'सभी चोर' हैं। उन्होंने शासन के तरीकों में बड़े बदलाव का पक्ष लेते हुए कहा कि दिल्ली से देश के मामलों को चलाने के चलन को बंद किया जाना चाहिए और राज्यों पर शासन चला सकने का भरोसा करना चाहिए। मोदी ने कहा, मैं नहीं जानता कि इसका मुझे राजनीतिक रूप से लाभ मिलेगा या नहीं, व्यापारी समुदाय को वैश्विक चुनौतियों से भागना नहीं चाहिए। उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि व्यापार के आनलाइन होने से वे बर्बाद हो जाएंगे। आपको सरकार से मांग करनी चाहिए कि वह इससे मिलने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए आपकी क्षमता बढ़ाए। उन्होंने कहा कि देश में बहुत अधिक कानून हैं और ऐसा लगता है कि सरकार समझती है कि सभी 'चोर' हैं। भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार ने कहा, 'देश इस तरह नहीं चल सकता और चाहे सरकार हो या समाज, दोनों का एक दूसरे में विश्वास होना चाहिए और कानून को बीच में तभी आना चाहिए जब यह विश्वास टूटे।' उन्होंने व्यापारियों की इस चिंता को सही बताया कि देश में 'बहुत अधिक और बहुत पेचीदा' कानून हैं। कानूनों का एक जाल है। आप हमें शक्ति दीजिए कि सत्ता में आने पर हम हर हफ्ते एक कानून को निरस्त कर सकें।

- अनावश्यक कानूनों को हटाने का किया वादा जो आभास देते हैं कि 'सभी चोर'
- कहा-वैश्विक चुनौतियों से भागने के बजाय व्यापारी समुदाय उनका मजबूती से करें सामना

उनके अनुसार, व्यवस्था कानूनों पर नहीं, बल्कि विश्वास पर चलती है। कानून की जरूरत तभी पड़ती है जब व्यवस्था टूटती है। इसी मूल अवधारणा से शासन का कायापलट किया जाएगा, जिसकी मैं बात करता हूं। मोदी ने व्यापारियों के मांगपत्र पर हालांकि कोई स्पष्ट वायदा नहीं किया, लेकिन आश्वासन के तौर पर भाजपा की व्यापारियों के अनुकूल छवि का जिक्र अवश्य किया। भाजपा की घोषणापत्र समिति के प्रमुख मुरली मनोहर जोशी भी इस अवसर पर मौजूद थे।

पीएम से चपरासी तक ओवरहालिंग जरूरी

उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय अभी भी पुराने ढर्रे पर काम कर रहा है और कूटनीति एवं खुफिया जानकारी एकत्र करने पर केंद्रित है। 'दुनिया में आपका प्रभाव फैलने के लिए व्यापार सबसे बड़ा हथियार है, विदेश मंत्रालय को व्यापार और वाणिज्य की कूटनीति पर ध्यान देना चाहिए।' मोदी ने कहा, यह भावना विकसित करने की जरूरत है कि चाहे सरकार हो, व्यापारी हो, किसान हो या समाज, हम सब मिलकर देश के लिए काम कर रहे हैं। यदि यह भावना विकसित हो गई तो कोई भी रिश्वत देने या लेनेवाला नहीं होगा। प्रधानमंत्री से चपरासी तक पूरी सरकार को ओवरहालिंग की जरूरत है।

हिन्दुस्तान पेज 2
28.2.14

व्यापारी महा अधिवेशन में बोले भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी

दिल्ली से देश चलाने का फैशन बंद होना चाहिए

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

देश को दिल्ली से चलाने का फैशन बंद करना होगा। राज्यों की अपनी ताकत होती है और इस पर भरोसा करना होगा। सरकार को इंफ्रास्ट्रक्चर देना है, हम जितनी सुविधाएं देंगे उतनी ही दुनिया में हमारी साख बढ़ेगी। प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को यह बात कही। वह कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की ओर से सिरी फोर्ट ऑडीटोरियम में आयोजित राष्ट्रीय व्यापारी महा अधिवेशन का संबोधित कर रहे थे।

कारोबारियों को ग्राहक का भरोसा जीतना होगा : ग्राहक को मिलावट का डर है। इस वजह से वह ब्रांडेड बाजार की तरफ जा रहा है। उसके मन का भरोसा टूट चुका है। इसे फिर से बनाने की जरूरत है। कुछ इसी लहजे में नरेंद्र मोदी ने कारोबारियों को नसीहत दी। इस दौरान कारोबारियों ने एक मांग पत्र भी पेश किया। भाजपा चुनाव घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष और संसद की लोकलेखा समिति के अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने कार्यक्रम में नरेंद्र मोदी को भारत का भावी प्रधानमंत्री कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि व्यापार में सही तरीके के हिसाब-किताब और पारदर्शिता की जरूरत है। व्यापारियों को कम से कम फॉर्म भरने पड़ें, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए। हम जीएसटी के पक्षधर हैं। इससे कारोबारियों को लाभ मिलेगा।

दो दिन तक चलने वाले इस सम्मेलन में जनता दल यू के अध्यक्ष शरद यादव, सीपीआई के नेता ए.बी. वर्धन, डीएमके नेता ए राजा और भाजपा सांसद स्मृति ईरानी शामिल होंगी। शुक्रवार को इसका सत्र सिविक सेंटर ऑडीटोरियम में होगा। इसमें केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल और गुलामनबी आजाद शामिल होंगे। सभी दलों को एक नेशन चार्टर दिया जाएगा। सम्मेलन में व्यापारी संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेवाल और 1500 से अधिक कारोबारी भाग ले रहे हैं।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की ओर से गुरुवार को सिर्री फोर्ट ऑडीटोरियम में आयोजित राष्ट्रीय व्यापारी महा अधिवेशन में बातचीत करते भाजप के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी और डॉ. मुरली मनोहर जोशी। • संजीव वर्मा

कारोबारियों की मांग

• व्यापारियों के लिए नेशनल ट्रेड पॉलिसी हो • प्रत्येक राज्य में घरेलू उद्योग संचालन बोर्ड बने • छोटे व्यापारियों को वित्तीय सहायता के लिए प्रारूप तैयार हो • रिटेल व्यापार में एफडीआई का विरोध हो • ई-कॉमर्स छोटे मार्केट को प्रभावित करता है इसलिए इस पर भी रोक लगे • छोटे व्यापारियों को अपग्रेड करने के लिए पॉलिसी बने • टैक्स के लिए यूनिफार्म टैक्स सिस्टम लाया जाए • महिला उद्यमियों के लिए एक अलग पॉलिसी हो • वायदा कारोबार की सिफारिशों को लागू किया जाए • व्यापारी को टैक्स कलेक्टर का दर्जा मिले • स्वास्थ्य एवं इंश्योरेंस की सुविधा दी जाए • 60 वर्ष के बाद पेंशन दी जाए

भाजपा एफडीआई की विरोधी

भाजजा नेता डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि एफडीआई का भाजपा विरोध करती है। एफडीआई आने से छोटे व्यापारियों को नुकसान होता है। अमेरिका में इसके खिलाफ आवाज उठी है जर्मनी, अमेरिका ने इसे वापस किया है। एक अध्ययन का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ये कंपनियां जहां जाती हैं वहां पर भ्रष्टाचार फैलाती हैं।

क्लर्क बन गया है कारोबारी

नरेंद्र मदान ने कहा कि एक पेज का फार्म भरने के लिए कहा गया था लेकिन प्रतिदिन एक नया कानून रख दिया जाता है। व्यापारी अब क्लर्क बनकर रह गया है इसलिए सरकार को चेतान की आवश्यकता है।

'देश को एक कानून की आवश्यकता'

नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में एक कानून बनाने की आवश्यकता है। इस कानून में प्रावधान होना चाहिए कि जब देश में एक नया कानून तैयार हो तो बाकी कानून खत्म हो जाएं। कानून सरल और सामान्य व्यक्ति को शक्ति देने वाले होने चाहिए। उन्होंने लोगों से कहा, आप हमें शक्ति दें, हम इन्हें कम करेंगे। देश में कानूनों का जाल बन गया है, इसलिए परिवर्तन की आवश्यकता है। इन कानूनों को खत्म करने के लिए भाजपा की सरकार हर हफ्ते कानून बदलाव का काम करेगी। अब सरकार नाम की मशीनरी के कायाकल्प की भी आवश्यकता है।

मोदी ने विदेश मंत्रालय पर साधा निशाना

नरेंद्र मोदी ने कहा कि विश्वभर में भारत व्यापार के माध्यम से ही फैला है, लेकिन विदेश मंत्रालय पुराने ढर्रे पर काम कर रहा है और सालों पुरानी घिसी पिटी व्यवस्था का सहारा लिया जा रहा है। अब ट्रेड डिप्लोमेसी पर काम करने की आवश्यकता है। मोदी का इशारा विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद की तरफ था। विश्व में छवि बनाने का काम व्यापारियों ने किया है, ये हिन्दुस्तान की रीढ़ की हड्डी हैं। व्यापार ठीक होता है तो देश चलता है। जब हम यहां आएंगे तो सबसे पहले 60 साल पुराने गड्ढे भरेंगे और देश को आगे बढ़ाएंगे।

घोषणापत्र में रखेंगे व्यापारियों की बात

चुनाव के समय में व्यापार समारोह हो रहा है इसलिए इसकी हर बात राजनीतिक तराजू से तोली जाएगी। कुछ ऐसे ही अंदाज में नरेंद्र मोदी ने कारोबारियों का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी के आर्थिक प्रस्तावों में डॉ. मुरली मनोहर जोशी की अहम भूमिका रहती है। घोषणापत्र भी उनके ही नेतृत्व में तैयार हो रहा है इसलिए जितनी बातें आप बता रहे हैं, उन्हें भाजपा के घोषणापत्र में रखा जाएगा। हमारी कठिनाई यह नहीं कि हम व्यापारियों के लिए क्या करते हैं। यह तो हमारी छवि है कि यह पार्टी तो व्यापारियों की पार्टी है।

नेशनल दुनिया पेज।
28.2.14

भागें नहीं, चुनौतियों का सामना करें

नरेंद्र मोदी ने व्यापारियों से किया आह्वान

नई दिल्ली में व्यापारी समुदाय को संबोधित करते नरेंद्र मोदी। प्रेट्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को व्यापारी समुदाय से कहा कि वे वैश्विक चुनौतियों से भागने की बजाय उनका सामना करें। साथ ही ऐसे अनावश्यक कानूनों को हटाने का वायदा किया जो आभास देते हैं कि सभी चोर हैं।

उन्होंने शासन के तरीकों में बड़े बदलाव का पक्ष लेते हुए कहा कि दिल्ली से देश को चलाने के चलन को बंद किया जाना चाहिए और राज्यों पर शासन चला सकने का भरोसा करना चाहिए। मोदी ने कहा, मैं नहीं जानता कि इसका मुझे राजनीतिक रूप से लाभ मिलेगा या नहीं, व्यापारी समुदाय को वैश्विक चुनौतियों से भागना नहीं चाहिए।

उन्हें यह नहीं मानना चाहिए कि व्यापार के आनलाइन होने से वे बर्बाद हो जाएंगे। आपको सरकार से मांग करनी चाहिए कि वह इससे मिलने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए आपकी क्षमता बढ़ाए। उन्होंने कहा कि देश में बहुत अधिक कानून हैं और ऐसा लगता है कि सरकार समझती है कि सभी चोर हैं। भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार ने कहा, 'देश इस तरह नहीं चल सकता और चाहे सरकार हो या समाज, दोनों का एक दूसरे में विश्वास होना चाहिए और कानून को बीच में तभी आना चाहिए जब यह विश्वास टूटे।'

उन्होंने व्यापारियों की इस चिंता को सही बताया कि देश में 'बहुत पेचीदा' कानून हैं। आप हमें शक्ति दीजिए कि (सत्ता में आने पर) हम हर हफ्ते एक कानून को निरस्त कर सकें। उनके अनुसार, व्यवस्था, कानूनों पर नहीं बल्कि विश्वास पर चलती है। कानून की जरूरत तभी पड़ती है जब व्यवस्था टूटती है। इसी मूल अवधारणा से शासन का कायापलट किया जाएगा।

दिया भरोसा

- अनावश्यक कानूनों को हटाने का किया वायदा
- बंद हो दिल्ली से देश को चलाने का चलन

इंडिया केसरी पेज 1
28.2.14

60 में भरे जाएंगे 60 साल के गड्ढेः मोदी

इंडिया केसरी/एजेंसी : नई दिल्ली। बीजेपी के पीएम पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी गुरुवार को दिल्ली में व्यापारियों के सम्मेलन में पहुंचे। दिल्ली के सिरी फोर्ट में हुए सम्मेलन में मोदी ने देश में नए कानून बनाने और पुराने कानून हटाने की वकालत की। मोदी ने व्यापार को दूसरे देशों से संबंध बनाने का सबसे बेहतरीन जरिया बताया। मोदी ने कहा बीजेपी की तो छवि ही है कि वह व्यापारियों की पार्टी है। यह छवि यूं ही नहीं बनी है।

कुछ तो है कि बीजेपी की ऐसी छवि है।मोदी ने कहा कि व्यापार हमारे देश की रीढ़ की हड्डी है। हम इसे समझते हैं। कुछ समय बाद जब हम सरकार बनाएंगे तो हमारा पहला काम 60 साल में हुए गड्ढे भरने में जाएगा। मोदी ने कहा कि देश में कानूनों का इतना जाल बिछा दिया गया है। आप लोग हमें शक्ति दें, कानून सरल हो जाएगा। हम आम आदमी को शक्ति देने वाले हैं। उन्होंने कहा कि कानूनों में आमूलचूल बदलाव की जरूत है।

दैनिक भूमि पेज 1, 8
28.2.14

मोदी ने पेश किया आर्थिक एजेंडा

ग्लोबल चुनौतियों का सामना करें व्यापारी

भाषा. नई दिल्ली

भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पार्टी के आर्थिक एजेंडे का खाका पेश किया। गुजरात के सीएम मोदी का जोर टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन, एजुकेशन और इंस्टीट्यूट के प्रति भरोसा बढ़ाने पर था। अर्थव्यवस्था से जुड़े तमाम मुद्दे निवेश, रिसर्च, कृषि, मैन्युफैक्चरिंग सभी पर मोदी ने चर्चा की। मोदी ने कांग्रेस नीत संप्रग सरकार पर देश को एक दशक पीछे धकेलने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी भरसक कोशिश रहेगी कि शासन कारगर हो और नीतियां अच्छी हों। उन्होंने व्यापारियों से कहा कि पीएम बनकर वह

▸▸शेष पेज 8 पर

ग्लोबल चुनौतियों ...

देश में बेकार हो चुके लालफीताशाही को बढ़ावा देने व कारोबार की राह में अड़चन पैदा करने वाले कानूनों को हटाएंगे। उन्होंने कहा कि देश में कानून बहुत ज्यादा हैं और ऐसा लगता है कि सरकार व्यापारियों को चोर समझती है। उन्होंने कहा, 'कानूनों का एक जाल है। आप हमें शक्ति दीजिए कि (सत्ता में आने पर) हम हर हफ्ते एक कानून को निरस्त कर सकें।' उन्होंने कहा कि व्यापारी समुदाय से वैश्विक चुनौतियों से भागने की बजाय उनका सामना करें। मोदी ने यहां 'भारत के लिए आर्थिक वृद्धि के नए परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक संगोष्ठी में विकास बारे में अपने दृष्टिकोण का खुलासा किया।

उन्होंने कहा, 'हमें अच्छी शासन व्यवस्था चाहिए। खराब शासन व्यवस्था मधुमेह जैसी है जो सभी तरह की बीमारियों को न्योता देती है।' मोदी ने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी हटे तो वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत थी जो अब घटकर 4.8 प्रतिशत पर आ गई है। उन्होंने कहा कि भारत केवल राजकोषीय घाटे से पीड़ित नहीं बल्कि वह 'प्रशासनिक घाटे', 'विश्वास घाटे', 'सुरक्षा घाटे' तथा 'नैतिक घाटे' से भी पीड़ित है। मोदी ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग, कृषि और सर्विस सेक्टर पर फोकस बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने विकास के लिए पीएम और कैबिनेट की जगह मुख्यमंत्रियों की भूमिका बढ़ाने की भी बात कही।

इंफ्रास्ट्रक्चर पर मोदी ने कहा कि नए रोड, हाईवे, पोर्ट और एयरपोर्ट बनाने की जरूरत है जिससे ग्रोथ को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के मौके बढ़ेंगे। शहरीकरण पर उन्होंने ने कहा कि 100 स्मार्ट सिटी बनाने की जरूरत है जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा मिलेगा और गांवों के पास ही रोजगार के मौके पैदा होंगे।

नवभारत टाइम्स पेज 1, 13
28.2.14

मोदी की सीख

बीजेपी नेता नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अब कारोबार के जरिए ही संबंध बनते हैं, इसलिए विदेश मंत्रालय को ढर्रा बदलते हुए ट्रेड डिप्लोमेसी पर सोचने की जरूरत है। पेज 13

मंत्रालय करे ट्रेड डिप्लोमेसी : मोदी

■विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

बीजेपी के पीएम कैंडिडेट नरेन्द्र मोदी ने अपने आर्थिक नजरिए

को पेश करते हुए कहा है कि अब कारोबार के जरिए ही संबंध बनते हैं, लिहाजा विदेश मंत्रालय को कामकाज का पुराना ढर्रा बदलते हुए ट्रेड डिप्लोमेसी पर सोचने की जरूरत है। देश का आर्थिक विकास करने के लिए जरूरी है कि पुराने कानूनों में जरूरत के मुताबिक बदलाव किए जाएं। व्यापारियों और बिजनेसमैन से भी उन्होंने कहा कि उन्हें व्यापार जगत की चुनौतियों से डरने की जरूरत नहीं है बल्कि इनको वे मौके के रूप में लें।

जोड़ने का आधार : मोदी ने कहा कि कारोबार विश्व में सदियों से जोड़ने का आधार रहा है। उन्होंने व्यापारियों से कहा कि वे ऑनलाइन सिस्टम से डरें नहीं बल्कि उसका इस्तेमाल करके अपना कारोबार बढ़ाएं। अगर व्यापारी चाहें तो विश्व पर कब्जा किया जा सकता है, लेकिन उन्होंने मिलावट खोरों को दूर रखने की भी हिदायत दी। मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी वे सत्ता में आएंगे, तब 60 साल के गड्ढे होंगे, जिन्हें सबसे पहले भरना होगा। इसके बाद ही गरीब को फायदा मिलेगा।

विवादित बयान : अपने भाषण में वे यह भी कह बैठे कि व्यापारी ही ऐसा है, जो एक जवान से भी ज्यादा रिस्क लेने की ताकत रखता है। इस पर कांग्रेस के नेता दिग्विजय सिंह ने उनकी खिंचाई भी की। गुरुवार को दिल्ली पहुंचे मोदी ने सुबह शहर के कारोबारियों को सम्बोधित किया। इसके बाद उन्होंने इकॉनोमिक ग्रोथ पर अपने विचार रखे।

नई दुनिया पेज 1
28.2.14

नमो विजन कारोबारियों के कार्यक्रम में बोले भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी

60 दिन बाद भरेंगे 60 साल के गड्ढे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में कारोबारियों के एक कार्यक्रम में भाजपा के प्रधानमंत्री प्रत्याशी नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर जमकर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि देश में 60 साल तक गड्ढे खोदे गए हैं। दिल्ली में आकर 60 साल के गड्ढों को भरना है। भले 60 दिन बाद आएंगे लेकिन 60 साल के गड्ढों को भरने में समय लगेगा। मोदी फायदों के लिए पैदा नहीं हुआ है।

मोदी ने कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कारोबार में तकनीक का जमकर इस्तेमाल करने की जरूरत है। कारोबार में विजन सबसे अहम है। मोदी ने कहा भाजपा की तो छवि ही है कि वह व्यापारियों की पार्टी है। यह छवि यूंही नहीं बनी है। कुछ तो है कि भाजपा की ऐसी छवि है। 60 सालों में देश में कानूनों का जाल बिछा दिया गया है। आप हमें शक्ति दें कि कानूनों को खत्म कर सकूं। देश में कानूनों के जाल से कई चीजें थमी हुई हैं।

कार्यक्रम के दौरान नरेंद्र मोदी और वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी।

अब कायाकल्प की जरूरत

मोदी ने कहा कि सबसे बड़ी कठिनाई यह है कि देश में कई दीवारें खड़ी कर दी गई हैं। देश के लिए किसान, मजदूर, व्यापारी सभी काम करते हैं। देश में आमूलचूल परिवर्तन की जरूरत है। जैसे देह में 70 साल के बाद कायाकल्प की जरूरत पड़ती है। देश की उम्र भी 66 साल की हो गई है। अब कायाकल्प की जरूरत है। मोदी ने कहा कि देश को दिल्ली से चलाने की परंपरा बंद होनी चाहिए। देश गांव और छोटे शहरों तक से चले। मोदी ने कहा कि पड़ोसी देश की जमीन पर कब्जा कर लो यह पहले हुए करता था। लेकिन अब दुनिया पर राज करने का व्यापार अहम आधार हो गया है। वक्त बदल रहा है। ऐसे में व्यापार भी बदलना चाहिए।

आज समाज पेज 1, 7
28.2.14

भाजपा के पीएम वेटिंग ने कहा, वैश्विक चुनौतियों का सामना करें कारोबारी

मोदी का व्यापारी कार्ड

■ दिल्ली से देश चलाने का फैशन बंद हो

नई दिल्ली। भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी गुरुवार को व्यापार कार्ड खेला। उन्होंने यहां कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स को संबोधित करते हुए व्यापारी समुदाय को रिझाने की पूरी कोशिश की। अपने चिर-परिचित अंदाजा में उन्होंने केंद्र की नीति और रणनीति को कोसने में भी कोई कोर-कसर भी नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि आज देश को कॉमर्स डिप्लोमेसी की जरूरत है। व्यापारियों से कहा कि वे वैश्विक चुनौतियों से भागने के बजाय उनका सामना करें। उन्हें सरकार से मांग करनी चाहिए कि वे वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए आपकी क्षमता बढ़ाए। उन्हें यह नहीं मानना चाहिए कि व्यापार के आनलाइन होने से वे बर्बाद हो जाएंगे। साथ ही ऐसे अनावश्यक कानूनों को हटाने का वायदा किया जो आभास देते हैं कि सभी चोर हैं। उन्होंने शासन के तरीकों में बड़े बदलाव का पक्ष लेते हुए कहा कि दिल्ली से देश के मामलों को चलाने के चलन को बंद किया जाना चाहिए। भाजपा की घोषणापत्र समिति के प्रमुख मुरली मनोहर जोशी भी इस अवसर पर मौजूद थे। >> शेष पेज 7

पूरी सरकार को ओवरहालिंग करने की जरूरत

मोदी ने कहा चपरासी तक पूरी सरकार को ओवरहालिंग की जरूरत है। सरकार को भारत की पहुंच और प्रभाव दुनिया भर में फैलाने के लिए व्यापारियों की मदद करनी चाहिए। इसके लिए व्यापार सबसे बड़ा हथियार है। यह भावना विकसित करने की जरूरत है कि चाहे सरकार हो, व्यापारी हो, किसान हो या समाज, हम सब मिलकर देश के लिए काम कर रहे हैं। इससे कोई भी रिश्वत देने या लेने वाला नहीं होगा।

प्रधानमंत्री बनकर हर हफ्ते हटाएंगे एक कानून

मोदी ने व्यापारियों की इस चिंता को सही बताया कि देश में बहुत अधिक और बहुत पेचीदा कानून हैं। कानूनों का एक जाल है। मोदी ने कहा, आप हमें शक्ति दीजिए कि (सत्ता में आने पर) हम हर हफ्ते एक कानून को निरस्त कर सकें। उनके अनुसार, व्यवस्था कानूनों पर नहीं, बल्कि विश्वास पर चलती है। कानून की जरूरत तभी पड़ती है जब व्यवस्था टूटती है।

पेज-1 का शेष

मोदी का व्यापारी....

मोदी ने कहा कि जोशी व्यापारियों की वैध चिन्ताओं को देखेंगे। व्यापारियों की जोखिम उठाने की क्षमता की तारीफ करते हुए मोदी ने कहा कि यह क्षमता किसी सैनिक से भी अधिक है।

बब्बर खालसा के निशाने पर राहुल : इस बीच बड़ी खबर है कि राहुल गांधी भी बब्बर खालसा और आईएम के निशाने पर हैं। इसी लिहाज से उनकी सुरक्षा के बंदोबस्त किए जा रहे हैं। उनकी सुरक्षा का बंदोबस्त करने के लिए एसपीजी के एआईजी संजय चौहान के नेतृत्व में आंठ सदस्यीय टीम बनारस पहुंच गई है। गौरतलब है कि राहुल 28 फरवरी को बाराबंकी के देवां शरीफ में मत्था टेककर चादर चढ़ाएंगे। एक मार्च को राहुल बनारस जाएंगे। वहां पर बाबा विश्वनाथ के दर्शन करेंगे। इसके बाद रिक्शे वालों के साथ एक बैठक करेंगे। राहुल इनसे भी जानने का प्रयास करेंगे कि क्या दिक्कतें हैं। वहां सदभावना यात्रा में भी राहुल शामिल होंगे। वह मिर्जापुर में भी एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

राष्ट्रीय जागरण पेज 17
28.2.14

'भरोसे' तक सीमित है मेरा आर्थिक ज्ञान

- मोदी ने आर्थिक ज्ञान पर चिदंबरम की टिप्पणी पर किया पलटवार
- सत्ता में आने पर हर हफ्ते एक कानून ख़त्म करने का किया वायदा

नई दिल्ली में गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी। जागरण

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : आर्थिक मामलों की सीमित जानकारी के बारे में वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के कटाक्ष पर नरेंद्र मोदी ने तीखा पलटवार किया है। अपने आर्थिक ज्ञान को एक शब्द 'भरोसे' तक सीमित बताते हुए भाजपा के पीएम प्रत्याशी ने कहा कि यही सरकार चलाने के लिए काफी है। उन्होंने देश में मौजूद कानूनों के मकड़जाल को व्यापार व आर्थिक विकास में बड़ी बाधा करार देते हुए सत्ता में आने पर हर हफ्ते एक कानून खत्म करने का एलान किया।

दरअसल, चिदंबरम ने मोदी की आर्थिक मामलों की जानकारी को एक पोस्टल स्टांप पर लिखने योग्य बताया था। भारतीय अर्थव्यवस्था पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि आर्थिक मामलों की उनकी जानकारी लिखने के लिए एक स्टांप की भी जरूरत नहीं है, बल्कि यह एक शब्द में समाहित है। महात्मा गांधी के ट्रस्टीशिप के सिद्धांत का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, 'आप देश के संसाधनों के ट्रस्टी हैं, न कि इसके मालिक। अर्थशास्त्र का इतना ही ज्ञान मेरे लिए काफी है।' मोदी के अनुसार, भरोसे बिना देश नहीं चल सकता है, लेकिन अभी पूरा शासन तंत्र एक-दूसरे पर संदेह के आधार पर टिका है। चाहे सरकार हो या समाज, दोनों का एक-दूसरे में विश्वास होना चाहिए और कानून को बीच में तभी आना चाहिए जब यह भरोसा टूटे। शासन व्यवस्था कानून पर नहीं, बल्कि भरोसे पर चलती है। इस अवधारणा से शासन का कायापलट हो जाएगा। इसके पहले एक सम्मेलन में व्यापार को नियंत्रित करने वाले कानूनों को बहुत ज्यादा बताते हुए मोदी ने कहा कि सरकार व्यापारियों को चोर समझती है। आप हमें शक्ति दीजिए ताकि सत्ता में आने पर हम हर हफ्ते एक कानून को निरस्त कर सकें। सभी क्षेत्रों में विदेशी निवेश का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि व्यापारियों को वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं जानता कि इसका मुझे राजनीतिक रूप से लाभ मिलेगा या नहीं, लेकिन व्यापारी समुदाय को वैश्विक चुनौतियों से भागना नहीं चाहिए। यह मानने का कोई आधार नहीं है कि व्यापार के ऑनलाइन होने से वे बर्बाद हो जाएंगे।

राजस्थान पत्रिका पेज 14
28.2.14

व्यापारियों के बीच पहुंचे नमो, हर हफ्ते एक कानून रद्द करने का भरोसा दिलाया

पहला काम 60 साल के गड्ढे भरना-मोदी

नई दिल्ली में गुरुवार को कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के सम्मेलन में नरेन्द्र मोदी और मुरलरमनोहर जोशी।

नई दिल्ली

jaipur@patrika.com

भाजपा के पीएम प्रत्याशी नरेंद्र मोदी गुरुवार को यहां व्यापारियों के बीच पहुंचे। मोदी ने व्यापार को दूसरे देशों से संबंध बनाने का सबसे बढ़िया जरिया बताया। साथ ही कहा-मुझे लगता है कि देश में नया कानून बनाने के लिए कई पुराने कानून हटाने पड़ेंगे। लगता है कि व्यापारी को चोर समझा जाता है। आप हमें शक्ति दीजिए (सत्ता में आने पर) कि हम हर हफ्ते एक कानून को रद्द कर सकें। साथ ही कांग्रेस पर चुटकी ली कि देश में 60 साल तक गड्ढे खोदे गए हैं। दिल्ली में आकर 60 साल के गड्ढे भरने हैं। मोदी ने कहा कि भले 60 दिन बाद आएंगे लेकिन गड्ढों को भरने में समय लगेगा।

वक्त बदला तो तरीका क्यों नहीं

मोदी ने कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के सम्मेलन में कहा, दिल्ली से देश चलाने का फैशन बंद होना चाहिए। राज्यों पर भरोसा करने की जरूरत है। विदेश मंत्रालय पुराने ढर्रे से काम करता है। वक्त बदल चुका है। आज उसका मूल काम ट्रेड और कॉमर्स है लेकिन ये सिर्फ डिप्लोमेसी की बात करते हैं। व्यापार हमारे देश की रीढ़ की हड्डी है। पता नहीं मेरे बयानों से राजनीतिक फायदा होगा या नहीं। मैं निजी फायदे के लिए नहीं जीता। हमें वैश्विक चुनौती से भागना नहीं बल्कि भिड़ना होगा। अगर दूसरे 10 कदम जाते हैं तो हमें 15 कदम आगे जाना होगा।